Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BA 301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

B.A. (With Yoga Science) Semester: Third
Yoga Science
Introduction of Ayurveda

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **'आयुर्वेदावतरण' से आप क्या समझते हैं? अश्विनौ कौन थे? वर्णन करें।**
   What do you understand by 'Ayurvedavataran'? Who were Ashvinau? Write down about them.
2. **'यह शरीर स्रोतसों का समुदाय है' इस कथन की व्याख्या कीजिए।**
   'This Body (Sharira) is an organisation (Samuday) of Srotas' Describe this Statement in detail?
3. **बस्ति किसे कहते हैं? वस्ति-चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालिए।**
   What is Vasti? Describe the significance of Vasti-Chikitsa.
4. **प्रकृति परीक्षण का सविस्तार वर्णन करें।**
   Write in detail about Prakriti Parikshana?
5. **आयुर्वेद एवं योग की सैद्धान्तिक समरूपता पर अपने विचार प्रस्तुत करें।**
   Write down your own views about the similar approach of Ayurveda and Yoga in Principles?

Section - B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) /(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any four (04) questions. (4×5=20)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **महर्षि पुनर्वसु आत्रेय एवं उनके शिष्यों के विषय में संक्षेप में लिखिए।**
   Write in brief about Maharshi Punarvasu Atreya and his disciples.
2. **आयुर्वेदानुसार अग्नि के कितने भेद कहे गए हैं? जठराग्नि का संक्षिप्त वर्णन करें।**
   How many types of Agni have been described in Ayurveda? Describe Jatharagni in short.
3. **पञ्चकर्मान्तर्गत 'कफ' दोष का निर्हरण किस कर्म द्वारा किया जाता है? उस कर्म की क्रिया विधि का वर्णन करें।**
   Under Panchakarma, Which karma removes 'Kapha' Dosha? Describe it's Procedure.

4. शमन चिकित्सा एवं शोधन चिकित्सा से आप क्या समझते हैं? लिखिए।
What do you understand by Shaman Chikitsa and Sodhan Chikitsa? Write in brief.

5. 'योगः कर्मसु कौशलम्' का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से क्या सम्बन्ध है? वर्णन करें।
'Yogah Karmasu Kaushalam' how this dictum is related with treatment and health? Describe it.

6. यम-नियमादि स्वास्थ्य संरक्षण में किस प्रकार उपयोगी हैं? संक्षेप में लिखिए।
How Yama-Niyama are important for the preservation of Health? Write in short.

Section - C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) /(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (1) mark each. **All** the questions of this section are compulsory. **(10×1=10)**

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आयुर्वेदानुसार आयु के भेद हैं .....
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार
According to Ayurveda, types of Ayu are ……..
(A) One (B) Two
(C) Three (D) Four

2. मन को कहा गया है .....
(अ) ज्ञानेन्द्रिय (ब) कर्मेन्द्रिय
(स) उभयेन्द्रिय (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
Mana is said to be …….
(A) Jnanendriya (B) Karmendriya
(C) Ubhayendriya (D) None of the above

3. उदान वायु का स्थान है .....
(अ) नाभि प्रदेश (ब) कण्ठ प्रदेश
(स) हृदय (द) गुद
Seat of Udan Vayu is ……
(A) Nabhi Pradesh (B) Kanth Pradesh
(C) Hridaya (D) Guda

4. महर्षि वागभट् रचित ग्रन्थ है .....
(अ) अष्टाङ्ग संग्रह (ब) अग्निवेश संहिता
(स) चरक संहिता (द) वैद्यक निघण्टु
The Compendium written by the Sage Vagbhata is ……..
(A) Ashtang Samgraha (B) Agnivesh Samhita
(C) Charak Samhita (D) Vaidyak Nighantu

5. आयुर्वेदानुसार शरीरस्थ मल हैं .....
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार
As per Ayurveda Malas in the body are …….
(A) One (B) Two
(C) Three (D) Four

6. प्रीणन कर्म है .....
(अ) रस धातु का (ब) रक्त धातु का
(स) मांस धातु का (द) मज्जा धातु का

Preenan Karma is of ……

(A) Rasa Dhatu (B) Rakta Dhatu

(C) Mamsa Dhatu (D) Majja Dhatu

7. पूर्वकर्म के अन्तर्गत हैं .....

(अ) स्नेहन (ब) स्वेदन

(स) (अ) एवं (ब) उपरोक्त दोनों (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Come under Poorva Karma …….

(A) Snehan (B) Swedan

(C) Both of the above (A) & (B) (D) None of the above

8. आकाश महाभूत का गुण है .....

(अ) शब्द (ब) स्पर्श

(स) रूप (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

The Attribute of Akash Mahabhoot is ……

(A) Shabda (B) Sparsha

(C) Roopa (D) None of the above

9. 'आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य' पुस्तक के लेखक हैं .....

(अ) आचार्य बालकृष्ण (ब) आचार्य प्रियव्रत शर्मा

(स) आचार्य चक्रपाणि (द) आचार्य डल्हण

The Author of the Book 'Ayurved Siddhant Rahasya is …….

(A) Acharya Balkrishna (B) Acharya Priyavrat Sharma

(C) Acharya Chakrapani (D) Acharya Dalhana

10. स्रवण कर्म है .....

(अ) श्रवणेद्रिय का (ब) स्रोतसों का

(स) धातुओं का (द) उपरोक्त सभी का

Sravana Karma is of ……..

(A) Shravanendriya (B) Srotas

(C) Dhatoos (D) All of the above

----------X----------